प्रशिक्षण दर्पण

त्रैमासिक पत्रिका

क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, मध्य रेल, भुसावल - 425203

अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता आय.एस.ओ. 9001:2000 प्रमाणित प्रथम क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान

फोन - 02582-222678/224600   फैक्स - 02582- 222678
रेलवे - 54900/54918/54920   रेलवे - 54907/54918
ई मेल - ztc@bsl.railnet.gov.in , zrtibsl@gmail.com

वर्ष - द्वितीय   अंक - अष्टम   अप्रैल से जून 2008

लेखा / प्रबंध / संस्थापन / भंडार संकाय एक नजर में

- प्रारंभिक एवं पुनःश्चर्या पाठ्यक्रमों के सभी प्रशिक्षार्थियों को लेखा, प्रबंधा तथा संस्थापन विषय की हिंदी में मुद्रित पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।
- प्रशिक्षण को सरल एवं आधुनिक बनाने के लिये एल.सी.डी. प्रोजेक्टर पर पॉवरपॉईंट प्रेझेन्टेशन के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- राजभाषा कार्यान्वयन समिति के निर्देश पर पाठ्य सामग्री द्विभाषा में तैयार कर जल्द ही मुद्रण की व्यवस्था की जा रही है ।
- आई.एस.ओ. 9001 : 2000 गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्राप्ति तथा उसके नवीीकरण में लेखा एवं प्रबंध संकाय का विशेष योगदान रहा।
- एस.आर.एस.एफ के माध्यम से प्रशिक्षण केंद्र के आधुनिकीकरण में भी लेखा संकाय ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।
- आरक्षित वर्ग हेतू चयन पूर्व प्रशिक्षण (एलडीसीई / एलजीएस) के अन्य संकाय के पाठ्यक्रमों में संस्थापन, लेखा, एवं प्रबंध संकाय द्वारा प्रभावी प्रशिक्षण दिया जा रहा है ।

अतिथियों का आगमन

1. **श्री एस.के.शर्मा** (वरिष्ठ उप महाप्रबंधक) मध्य रेल दिनांक 09.5.08 को संस्थान में आए तथा सभागृह में सभी प्रशिक्षार्थियों, प्रशिक्षकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों को अपने प्रभावी उद्‌बोधन द्वारा ईमानदारी से कार्य करने हेतु प्रेरित किया । उहोंने सतर्कता विभाग एवं उनके कार्य विषय पर भी प्रकाश डाला ।
2. **श्री विनय सिंघल** (मुख्य विद्युत इंजिनीयर) मध्य रेल ने दिनांक 21.5.08 को संस्थान के एसी सिमुलेटर का निरीक्षण किया एवं वहाँ के कार्य संचालन को सराहा ।
3. **श्री महेंद्र बिरहाडे** (उप मुख्य परि. प्रबंधक, योजना) मध्य रेल ने द्वारा दिनांक 17.6.08 को संस्थान तथा मेस का निरिक्षण किया। समस्त अधिकारी, प्रशिक्षक, कर्मचारी एवं प्रशिक्षार्थियों को संबोधित भी किया।

अतिथि व्याख्यान

नाम	पदनाम	व्याख्यान के विषय
श्री ए. एस. बोकड़े	स.प.प्रबं	उच्च परिवहन
श्री टी. जी. जाधव	स.प.प्रबं.	उच्च परिवहन
श्री एन. आर. सरोदे	स.प.प्रबं.	संरक्षण / दुर्घटना
श्री इ. जी. सदावर्ते	स.प.प्रबं.	यार्ड संकुचन निवारण
श्री एन. एस. काझी	स.का.अधि	डी.ए.आर.
श्री के. वी. थामस	स.प.प्रबं.	उच्च परिवहन
श्री पी. सी. पुंडे	स.का.अधि	संस्थापन

पुरस्कार

1. राजभाषा ट्राफी महाप्रबंधक द्वारा माननीय **प्राचार्य** महोदय को प्रदान की गई।

2. रेल मंत्री हिन्दी निबंध प्रतियोगिता 2007-08 में श्री **विजय काशीनाथ मोरे** (वरि.याता.प्रशिक्षक) ने लगातार दूसरी बार प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

3. **श्री रमण कुमार ठाकुर, श्री जे. डी. वाणी** एवं **श्री जे. एन. गुप्ता** (वरि.याता.प्रशिक्षक) ने मुख्य परिचालन प्रबंधक पुरस्कार प्राप्त किया ।
4. **श्री श्याम कुलकर्णी, श्री बी. अरूण** (मुख्य वाणि.प्रशिक्षक) **श्री एस. आर. दिक्षित** (वरि.वाणिज्य प्रशिक्षक) को मुख्य वाणिज्य प्रबंधक पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।
5. **श्री शशिकांत** (वरि. ए.सी. लोको प्रशिक्षक) को मुख्य विद्युत इंजिनीयर पुरस्कार प्रदान किया गया ।
6. **श्री एल.एन. निर्मलकर** तथा **श्री के. ओ. पोतदार** वरि.प्रशिक्षक (इंजिीयरिंग) को प्रिंसीपल मुख्य इंजिनीयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।
7. **श्री योगेश देशमुख** (प्रधान लिपिक) को मुख्य कार्मिक अधिकारी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

रेल सप्ताह का आयोजन

संस्थान में प्रतिवर्ष की भाँति माह अप्रैल में दिनांक 11.4.08 से 16.4.08 तक रेल सप्ताह मनाया गया। रेल सप्ताह का विधीवत उद्घाटन **श्री के. एम. सक्सेना** उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने किया इस अवसर पर **श्री विजय किटके** वरिष्ठ मं इंजि. (समन्वय) भी उपस्थित रहे। रेल सप्ताह के उद्घाटन समारोह के पश्चात् इंजिनीयरिंग विभाग द्वारा संरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में दिनांक 12.4.08 को **श्री आर. डी. मीणा** अपर मंडल रेल प्रबंधक भुसावल के मुख्य आतिथ्य में डीजल व एसी संकाय द्वारा **श्री महेश कुमार** स.मं.विद्युत इंजिनियर के मार्गदर्शन में लोको प्रश्नमंच को प्रस्तुत किया। दिनांक 15.4.08 को यातायात संकाय द्वारा संरक्षा प्रश्-एवं । मंच का आयोजन किया। सभी कार्यक्रम प्रशिक्षार्थियों के ज्ञान वृद्धि में सहायक रहे। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर प्राचार्य महोदय ने माल्यार्पण किया तथा उनके जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला। रेल सप्ताह के समापन अवसर पर दिनांक 16 अप्रैल 08 को संस्थान के प्रशिक्षार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

प्रतिमाह सांस्कृतिक कार्यक्रमों के क्रम में दिनांक 27.5.2008 एवं 30.6.08 को संस्थान में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिसमें प्रशिक्षार्थी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षकों ने बढ चढ कर भाग लिया। उपरोक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में सांस्कृतिक सचिव **श्री ए. जी. गाड़गिल** की महत्वपूर्ण भूमिका रही

विदेश प्रशिक्षण

भारतीय रेल तथा राइट्स (RITES) द्वारा रेल पर्यवेक्षकों हेतू ओवरसीज प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वीडेन में दिनांक 09.6.08 से 20.6.08 तक आयोजित किया गया जिसमें **श्री ए. के. झा** यातायात प्रशिक्षक ने मध्य रेल का प्रतिनिधित्व किया। उहें स्टॉकहोम, हार्ल्सबर्ग, फिनलैंड, हैलसिंकी, हाल्सवेरी स्थानों पर स्वीड रेल, रेल संचालन व्यवस्था, विभिन्न वर्कशाप्स, यात्री सुविधाएँ, आधुनिकीकरण, तथा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशीप पर आधारित विभिन्न क्रियाकलापों से अवगत कराया गया ।

भारतीय रेल पर पहली बार आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारतीय रेल के विभिन्न क्षेत्रीय रेलों तथा उत्पादन इकाइयों के कुल 25 पर्यवेक्षकों को भेजा गया। प्रशिक्षणोपरांत संस्थान में आयोजित एक विशेष सभा में श्री झा ने विदेश प्रशिक्षण के अनुभव, क्रियाकलापों, आधुनिकीकरण की विस्तृत जानकारी सीडी तथा फोटों के माध्यम से सर्वसंबंधितों को दी ।

औपचारिक नेता से औपचारिक नेतृत्व की ओर

एस. एस. खरे, मुख्य प्रशिक्षक (प्रबंध)

नेता उस व्यक्ति को कहते हैं जो संबंधित व्यक्ति के विचारों को प्रभावित करता है अथवा नेता वो है जो संबंधित व्यक्तियों से कार्य करवाता है। औपचारिक नेता वह है जो संबंधित व्यक्तियों से कार्य करवाता है और औपचारिकता वह है जो संबंधित व्यक्तियों के विचारों को प्रभावित करता है।

नेता हर जगह पर मौजूद है जैसे घर, परिवार, समाज, संगठन इत्यादि। घर परिवार और समाज में औपचारिक नेता उम्र के आधार पर या आर्थिक आधार पर होता है । संगठनों में औपचारिक नेता अपो पद के कारण होता है। पद के कारण जैसे डाइरेक्टर, मैनेजर, सुपरवाइजर, सरकारी संगठनों में सभी अधिकारी और सुपरवाइजरी स्टॉफ ।

आज के युग को यांत्रिक या वैज्ञानिक युग कहा जाता है जिसमें ज्यादातर काम मशीनों से किया जाता है फिर भी मनुष्य शक्ति के कार्य का महत्व बिल्कुल भी कम नहीं हुआ है वरन यह कह सकते हैं कि संगठन की सफलता मनुष्य शक्ति पर आज भी निर्भर करती है और इसीलिए सभी संगठनों की सफलता वहाँ के नेतृत्व पर निर्भर करती है ।

नेता की सफलता उसके कार्य करने की क्षमता और कार्य करवाने की क्षमता पर निर्भर करती है । कार्य करना आसान है लेकिन कार्य करवाना बहुत कठीन है । मशीन के कार्य करने के लिए ऑन ऑफ का बटन होता है बटन ऑन करो पर मशीन चालू बंद करो पर मशीन बंद। मनुष्य से कार्य करवाने का कोई बटन नहीं है इसलिए इस यांत्रिक युग में मनुष्य से कार्य करवाना बहुत कठीन हो गया है । मशीन की क्षमता उसी मशीन पर निर्भर करती है परंतु कार्य करने वाले व्यक्तियों की क्षमता उस व्यक्ति पर नहीं बल्कि उससे कार्य करवाने वाले नेता पर निर्भर करती है इसलिए संगठनों में नेता का सबसे अधिक महत्व है ।

औपचारिक नेता की विशेषता यह है कि वह नियुक्त होकर संगठन में आता है उसका अस्तित्व प्रशासन पर निर्भर करता है । उसके अनुयायियों के साथ संबंध केवल औपचारिक होते हैं जो संबंधित व्यक्तियों से कार्य करवाने के लिए पर्याप्त नहीं है । औपचारिक नेता संगठन में चुनाव प्रक्रिया से आता है जिसका अस्तित्व संबंधित व्यक्तियों पर निर्भर करता है । उसके अनुयायियों के साथ संबंध औपचारिक, अनौपचारिक, व्यक्तिगत, सामाजिक और भावनिक होते हैं जो संबंधित व्यक्तियों से कार्य करवाने के लिए पर्याप्त होते हैं । औपचारिक नेतृत्व के लिए कुछ गुणों की आवश्यकता होती है जैसे ने ता का चरित्र, ेता का वर्ता, विचारधारा, ेता के आुयायियों के साथ अच्छे संबंध, मानवीयता, खिलाड़ी वृत्ती, सभी के साथ समान न्याय, कार्य का पूर्ण ज्ञान, निर्णय लेने की क्षमता, अभिप्रेरण की क्षमता, बातचीत करने का ढंग, साहस, धैर्य, इमानदारी, एकत्रित करने की क्षमता और विश्वास बढ़ाने की क्षमता इत्यादि ।

औपचारिक नेता में उपरोक्त गुण नहीं है तो उसे लोगों से कार्य करवाने में बहुत कठिनाई होती है और सफलता प्राप्त नहीं हो सकती । लेकिन उपरोक्त गुणों को इच्छा और प्रयासों से प्राप्त किया जा सकता है। यही गुण औपचारिक नेता से औपचारिक नेतृत्व को प्राप्त करते हैं । इहीं गुणों से नेता संबंधित व्यक्तियों के विचारों को प्रभावित करता है और उसे कार्य करवाने में कोई कठिनाई नहीं होती और सफलता प्राप्त करता है ।

सांस्कृतिक कार्यक्रम का पुरस्कार प्रदान करते हुए प्राचार्य जी

रेल दुर्घटना कैसे रोकें

मनीष गर्ग मुख्य प्रशिक्षक (डीजल)

हाल ही में जी.आई.टी यार्ड पूना मण्डल में डीजल लोको मल्टीपल की आमने-सामने टक्कर हुई। जिसमें तीन रेल कर्मी (लोको पायलट, सहायक लोको पायलट तथा गार्ड) हताहत हुए तथा दो रेल कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए, इसके अतिरिक्त रेल सम्पत्ती का भारी नुकसान हुआ।

इस प्रकार की दुर्घटना रेल संचालन पर एक बडा प्रश्न चिन्ह खडा करती है। अतः इस प्रकार की दुर्घटना की पुनरावृत्ती भविष्य में न हों, इसके लिए निम्न लिखित बातों का कडाई से पालन करें।

1. ड्यूटी पर आने से पहले पूर्ण विश्राम लिया जाए जो कि मुख्यालय पर 16 घंटे से कम तथा बाहरी स्टेशन पर या रनिंग रूम में 6 घंटे से कम नहीं होना चाहिए यदि कार्य के घंटे 8 घंटे से ज्यादा है।
2. रनिंग कर्मचारियों के लिए एचओइआर में दिये गए प्रावधान के अनुसार सामयिक विश्राम स्वीकृत किये जाने चाहिए ।
3. लोको निरीक्षण के द्वारा फूट प्लेट मानीटिरींग की रिपोर्ट के आधार पर, सक्षमता प्रमाण पत्र जारी करना चाहिए।
4. किसी भी लोको का संचालन से सम्बधित पुर्ण ज्ञान होना चाहिए, जिसमे तीन साल पुर्ण होने से पहले चालक, सहा चालक एवं गार्ड, एवं संबंधित कर्मिदल का पुनःचर्या कोर्स अवश्य होना चाहिए।
5. परिचालन से संबंधित कर्मचारियों का पी.एम.ई.समय पर कराया जाए।
6. सेक्शन का लर्निंग रोड ज्ञान पर्याप्त हों। जिसमे प्रति सेक्शन तीन ट्रिप, (जिसमे एक ट्रिप रात में एवं दो ट्रिप दिन मे होना अनिवार्य है। जिस सेक्शन मे किसी कारण से 3 माह तक कार्य नही किया गया हो तो एक ट्रिप दिन मे तथा एक ट्रिप रात में रोड लर्निंग ज्ञान होना अनिवार्य है।
7. शेड एवं यार्ड से निकलो से पूर्व संरक्षा उपकरण, जो कि संरक्षा पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से प्रभाव डालते है उसकी तसल्ली पूर्वक जांच कर लेनी चाहिए।
8. कंट्रोल स्टैण्ड / केब बदली करने से पहले तथा बाद मे लोको चलाने के पूर्व लोको ब्रेक का संचालन सुनिश्चित करें।
9. चढ़ाई पर किसी कारणवश गाड़ी खड़ी हो जाने पर लोको ब्रेक के साथ ट्रेन ब्रेक अवश्य लगाए जाने चाहिए ।
10. लोको डेड / स्टैबल तथा परीक्षण करते समय लोको को सिक्यूर करें।
11. साईन ऑन, एवं साइन ऑफ के समय श्वसन परीक्षण अनिवार्य रूप से होना चाहिए।
12. समय-समय पर मण्डल, मुख्यालय, रेलवे बोर्ड द्वारा जारी किए गए निर्देशों का कडाई से पालन करना चहिए।

नई पेंशन योजना 2004

विभास मुले, मुख्य प्रशि. (लेखा)
रमेश अय्यर, मुख्य प्रशि. (संस्थापन)

दिनांक 01.01.04 व उसके पश्चात नियुक्त होने वाले सभी रेल कर्मचारियों पर नई पेंशन प्रणाली 2004 दिनांक 01.01.04 से अनिवार्य रूप से लागू है। इसके दो टियर हैं।

1. **टियर I** - इसमें प्रतिमाह कर्मचारी के वेतन (मूल वेतन + महँगाई वेतन) + महँगाई भत्ता से 10 % की कटौती की जाएगी तथा इतनी ही राशि सरकार द्वारा कर्मचारी के खाते में जमा होगी । यह कटौती कर्मचारी के नियुक्ति के अगले माह से होगी ।
2. **टियर II** - इसके अंतर्गत कर्मचारी स्वेच्छा से वेतन तथा महँगाई भत्ते के 10 % या उससे अधिक की राशि जमा कर सकता है । इसमें सरकार का कोई भी अंशदान नहीं होगा इसमें कभी भी निकासी की जा सकेगी । यह टियर अभी लागू नहीं किया गया है ।
3. दिनांक 01.01.2004 एवं उसके बाद सेवा में आने वाले रेल सेवक से स्टेट रेलवे प्रोवीडेन्ट फण्ड/सामाय भविष्य निधि नियम के तहत कोई

4. रेल सेवक से नियुक्ति के समय उसके हस्ताक्षरित एक प्रफोर्मा भरवाया जायेगा जिसमें नाम, पदनाम, मंत्रालय/विभाग, वेतनमान, जन्मतिथि, नियुक्ति तिथि वेतन तथा नोमिनी का नाम उसकी आयु/जन्मतिथि, संबंध व कितना प्रतिशत हिस्से के बारे में जानकारी होगी। इसकी एक प्रति रेल सेवक की सेवा पुस्तिका में रखी जायेगी। वेतन बिल पास करने वाले वित्त प्रबन्धक द्वारा प्रत्येक रेल सेवक को 16 अंकों का एक स्थाई पेंशन खाता संख्या आवंटित किया जायेगा।
5. वर्तमान में टीयर-I लेखे में अंशदान की राशि पर 8 प्रतिशत ब्याज दिया जायेगा।
6. कर्मचारी के एक लेखा इकाई से दूसरे में स्थानान्तरित होने पर खाते का शेष स्थानान्तरित नहीं किया जायेगा। कर्मचारी की LPC में उसका स्थाई पेंशन खाता नम्बर जिस माह तक कर्मचारी का और सरकार का अंशदान पेंशन फण्ड में स्थानान्तरित किया गया है, वह माह दर्शाया जायेगा। एक बार आवंटित स्थाई पेंशन खाता संख्या कभी परिवर्तित नहीं होगा।

मुख्य प्रावधान

1. 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के पश्चात पेंशन प्रणाली के टियर-I को छोड़ सकता है लेकिन इसे छोड़ते समय IRDA नियंत्रित जीवन बीमा कम्पनी से वार्षिकी खरीदने हेतु पेंशन फण्ड की 40 प्रतिशत राशि अनिवार्य रूप से निवेश करनी होगी। इससे सेवानिवृत्ति पर कर्मचारी एवं उसके आश्रित माता/पिता /जीवन साथी को जीवन पर्यत पेंशन प्राप्त होगी।
2. जहां कर्मचारी द्वारा 60 वर्ष की आयु से पूर्व पेंशन प्रणाली के टियर-I को छोड़ता है तो पेंशन फण्ड की 80 प्रतिशत राशि अनिवार्य वार्षिकी में निवेश करनी होगी।
3. इस प्रणाली को लागू करने के लिए NSDL (नेशनल सिक्युरिटि डिपोजिटरी लिमिटेड) सेन्ट्रल रिकार्ड कीपिंग एजेन्सी (CRA) के रुप में कार्य करेगी और पेंशन फण्ड मैनेजर LIC, UTI, SBI होंगे जो कर्मचारी को तीन श्रेणी की स्कीम A, B एवं C जो इक्विटी एवं स्थाई आय योजना में निवेश के अनुपात पर आधारित है, प्रस्तावित करेंगे।
4. कर्मचारी (जिहें यह योजना लागू है) से निवेश का विकल्प माँगा जा रहा है जिसका रिकॉर्ड NSDL तथा संबंधित कार्यालय द्वारा कर्मचारी के सेवा निवृत्ती तक रखा जाएगा ।
5. दिनांक 01.01.2004 एवं उसके बाद सरकारी सेवा में आये सेवकों को सेवानिवृत्ति/मृत्यु पर अवकाश का नगदीकरण देय होगा।
6. टीयर-I में कर्मचारी एवं सरकार का अंशदान निकटतम रूपये में राउण्ड ऑफ किया जायेगा।
7. माह के दौरान कर्मचारी का स्थानान्तरण होने पर नई पेंशन स्कीम के तहत अंशदान की वसूली उस कार्यालय द्वारा की जायेगी जहां से वो माह की अधिकतम अवधि का वेतन लेगा।
8. नई पेंशन प्रणाली के तहत अंशदान की कटौती के उद्देश्य से NPA की गणना वेतन के तौर पर की जायेगी। यानी एलाउन्स की वेतन के साथ गणना तथा रनिंग कर्मचारियों के मामले में मूल वेतन + मूल वेतन का 30% + महँगाई वेतन के योग पर अंशदान की गणना की जायेगी ।
9. केवल सरकारी सेवा छोड़ने पर ही टीयर-I स्कीम को छोड़ा जा सकता है।

स्वागत / बधाई / विदाई

1. **श्री एस. बी. करवंदे** (सहा. परिवहन प्रबंधक) के संस्थान में आगमन पर उनका हार्दिक अभिनंदन ।
2. **श्री आर. के. शर्मा** (सहा. परि. प्रबंधक) के कानकोर ग्वालियर में मेनेजर के पद पर स्थानांतरण पर विदाई ।
3. **श्री ए. पी. सिंह** (मुख्य प्रशिक्षक इंजि. (कार्य), **श्री बी. अरूण कुमार** (मुख्य वाणिज्य प्रशिक्षक), **श्री बी.एन. सिंह** (वरि. यातायात प्रशिक्षक) के संस्थान में आगमन पर हार्दिक बधाई ।

श्री एस के शर्मा वरि.उप.महाप्रबंधक प्रशिक्षार्थियों से सभाभवन में संभाषण करते हुए

संपादकीय

प्रशिक्षार्थियों के चहुमुखी विकास के लिए प्रयत्नशील संस्थान द्वारा प्रकाशित तिमाही पत्रिका के संपादकीय लिखते हुए मुझे हर्ष हो रहा है कि हमारे संस्थान के प्रबुद्ध प्रशिक्षक मुख्यालय स्तर, रेलवे बोर्ड स्तर पर ही नहीं अपितु विदेशों में भी संस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं जो हमारे संस्थान के लिए गर्व की बात है । मैं सभी पुरस्कार पाने वालों को बधाई देता हूँ। प्रशिक्षार्थियों का सर्वांगीण विकास ही हमारा प्रथम ध्येय है । पत्रिका को और आकर्षित बनाने हेतू प्रबुद्ध पाठकों के सुझाव सहर्ष आमंत्रित हैं ।

आर.डी. सिंदीकर
प्राचार्य

संपादक मंडल

संरक्षक	:	श्री विनय मित्तल (मुख्य परिचालन प्रबंधक)
मार्गदर्शन	:	श्री झेड.ए. सिद्दीकी (मुख्य परिवहन योजना प्रबंधक)
मुख्य संपादक	:	श्री आर.डी. सिंदीकर (प्राचार्य)
उप संपादक	:	श्री आर.एल. जाटव (उप प्राचार्य)
सह संपादक	:	श्री महेश कुमार (सहा. मंडल विद्युत अभियंता)
		श्री एम. मीणा (सहा. वित्त प्रबंधक)
संकलन	:	श्री विजय काशीनाथ मोरे (प्रवर यातायात प्रशिक्षक)
		श्री जी.एन. धकाते (राजभाषा सहायक)
		श्री आर.एल.प्यासे (एसी लोको प्रशिक्षक)
ग्राफिक्स/सज्जा	:	श्री शशिकांत के. माली (वरि. सिमुलेटर प्रशिक्षक)
छायांकन	:	श्री अतुल एम. दांडवेकर (प्रवर यातायात प्रशिक्षक)
सहयोग	:	श्री ए.के. सिंह (यातायात प्रशिक्षु मुंबई मंडल)